भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

06.08.2015 को राज्य सभा में

पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 1928.

परमाणु ऊर्जा उत्पादन की लागत

1928. **श्री किरनमय नन्दा :**

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) **भारत सरकार के दूसरे देशों के साथ परमाणु ऊर्जा समझौतों के तहत भारत में परमाणु विद्युत के उत्पादन की क्या स्थिति है;**

(ख) **क्या ऐसे विद्युत उत्पादन की लागत अन्य स्त्रोतों से विद्युत उत्पादन से कम आएगी, यदि हाँ, तो प्रतिशतता-वार अन्तर सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और**

(ग) **उक्त समझौता के परिणामस्वरूप देश में कितने प्रतिशत विद्युत उत्पादन में वृद्धि की संभावना है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?**

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) देश में, कुल 5780 मेगावाट स्थापित क्षमता वाले 21 नाभिकीय विद्युत रिएक्टर प्रचालनरत हैं। इनमें से, 3380 मेगावाट क्षमता वाले तेरह (13) रिएक्टर अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेन्सी (आईएईए) के सुरक्षोपायों के अधीन हैं। सुरक्षोपायों के अधीन वाले रिएक्टरों में से एक रिएक्टर, रावतभाटा, राजस्थान स्थित राजस्थान परमाणु बिजलीघर यूनिट-1 (आरएपीएस-1) (100 मेगावाट), नियमित प्रचालन के लिए तकनीकी-आर्थिक मूल्यांकन हेतु वर्तमान में विस्तारित शटडाउन की अवस्था में है। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेन्सी (आईएईए) के सुरक्षोपायों के अधीन आने वाले रिएक्टरों में नाभिकीय सहयोग करार के परिणामस्वरूप प्राप्त आयातित ईंधन भरा जाता है। शेष रिएक्टरों में स्वदेशी ईंधन भरा जाता है।

(ख) स्वदेशी रिएक्टरों तथा विदेशी तकनीकी सहयोग से स्थापित रिएक्टरों , दोनों से प्राप्त नाभिकीय विद्युत की वर्तमान दर, अन्य समकालीन बेस-लोड विद्युत उत्पादन प्रौद्योगिकियों, जैसेकि, उस क्षेत्र में कोयला आधारित बिजलीघरों से प्राप्त विद्युत की दर के तुलनीय है।

(ग) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग करार से, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के सुरक्षोपायों के अधीन आने वाले रिएक्टरों के लिए ईंधन के आयात, तथा अन्य देशों के साथ तकनीकी सहयोग से बड़ी क्षमता वाली नाभिकीय विद्युत रिएक्टरों की स्थापना की संभावनाएं उत्पन्न हुई हैं। इस संबंध में, सरकार द्वारा निम्नलिखित स्थलों पर, चरणबद्ध तरीके से नाभिकीय विद्युत संयंत्रों की स्थापना हेतु 'सिद्धांततः' अनुमोदन प्रदान किया गया है :

स्थल तथा अवस्थिति	के सहयोग से	क्षमता (मेगावाट)
कुडनकुलम, तमिलनाडु	रूसी परिसंघ	4 x 1000
हरिपुर, पश्चिम बंगाल		6 x 1000
जैतापुर, महाराष्ट्र	फ्रांस	6 x 1650
कोव्वाडा, आंध्र प्रदेश	संयुक्त राज्य अमरीका	6 x 1000*
छाया मीठी विरदी, गुज़रात		6 x 1000*

* *नाममात्र क्षमता*

इन परियोजनाओं के पूरा होने पर विद्युत उत्पादन की प्रतिशतता में वास्तविक वृद्धि, उस समय अन्य स्त्रोतों से हुए विद्युत उत्पादन पर निर्भर करेगी।

******